दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

■ वर्षः 21, अंकः 320 ■ दमण, गुरुवार 10, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण प्रशासन ने ट्रांसपोर्ट नगर में आयोजित किया थार/फॉर्च्यूनर संकल्प यात्रा

दमण प्रशासन ने थार/फॉर्च्यूनर मालिकों को भाईगिरी/दादागिरी दिखाने नहीं बल्कि जिम्मेदारी निभाने की दिलाई शपथ

■ थार/फॉर्च्यूनर में अवैध तरीके से लगाये गये टिंडेड ग्लास, टायर मॉडिफिकेशन, डीजे और साउंड सिस्टम में बदलाव जैसे चीजों को हटाने के दिए गये निर्देश ■ दमण जिला प्रशासन ने वाहन मालिकों को जिम्मेदारीपूर्वक ड्राइविंग करने के लिए किया प्रेरित ■ #थार का मतलब जिम्मेदारी हैशटैग मुहिम का भी किया ऐलान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 09 सितंबर।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में दमण प्रशासन द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में थार/फॉर्च्यूनर मालिकों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम थार/फॉर्च्यूनर संकल्प यात्रा आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत दमण में पंजीकृत थार/फॉर्च्यूनर के वाहन मालिकों को अपने वाहनों के साथ कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन ने वाहनों में किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के अवैध और नियमों के विरुद्ध मॉडिफिकेशन को लेकर वाहन मालिकों को जागरूक किया। इसमें मुख्य रूप से विंडशील्ड और शीशों पर टिंटेड ग्लास लगाना, टायरों में अनधिकृत बदलाव करना तथा डीजे और साउंड सिस्टम में नियमों के विरुद्ध मॉडिफिकेशन जैसे मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया और उसे हटाने के निर्देश भी दिये गये। इस अवसर पर दमण जिला कलेक्टर ने थार/फॉर्च्यूनर के मालिकों को इशारों-इशारों में चेतावनी के साथ सुझाव भी दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि जब भी सड़क से थार/फॉर्च्यूनर गुजरे तो सड़क पर चलने वाले अपने आपको सुरक्षित महसूस करें। उन्होंने कहा कि थार को लेकर जो बदनामी फैली है, उसे दूर करने के लिए हमें #थार का मतलब जिम्मेदारी हैशटैग मुहिम चलानी है। हमें इस हैशटैग में आनंद महिन्द्रा जी को टैग करना है, ताकि उन्हें पता चले कि हम किस प्रकार से अभियान चला रहे हैं। जिससे वे भी प्रेरित होकर इसका प्रचार-प्रसार करें। इस संबंध में दमण के उप जिला कलेक्टर प्रियांशु सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे सभी वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में किए गए नियमों के विरुद्ध बदलावों को जल्द से जल्द हटा दें और वाहनों को निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित करें। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट संदेश दिया गया कि वाहनों के माध्यम से किसी भी प्रकार की भाईगिरी या माफियागिरी का प्रदर्शन न करें अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्रशासन द्वारा कड़ी और उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों को पहले जागरूक कर सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति प्रेरित करना है। दमण प्रशासन ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे बड़ी गाड़ियों को पूरी जिम्मेदारी और सावधानी के साथ चलाएं। वाहन चालक स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ दमण आने वाले पर्यटकों और आम नागरिकों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें। इस दौरान वाहन मालिकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। दमण एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। ऐसे में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना सभी वाहन चालकों की जिम्मेदारी है। इस अभियान और कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन ने लोगों से जिम्मेदार ड्राइविंग करने तथा यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित और अनुशासित दमण बनाने में सहयोग देने की अपील की है। इस अवसर पर दमण एसपी केतन बंसल, एसडीपीओ आदर्श पटेल, ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी आशीष मोहन, आरटीओ इंस्पेक्टर अभिनव पटेल सहित थार/फॉर्च्यूनर के मालिक उपस्थित रहें।

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल को लोकसभा की अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति का नियुक्त किया गया सदस्य

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 09 सितंबर। दमण-दीव के लोकसभा सांसद उमेश पटेल को वर्ष 2026-27 के लिए लोकसभा की अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है। लोकसभा सचिवालय द्वारा 09 सितम्बर 2026 को जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, वर्ष 2026-27 के लिए गठित समिति को 08 सितम्बर 2026 के संसदीय समाचार भाग-II के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सांसद गणेश सिंह को समिति का सभापति नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण संसदीय जिम्मेदारी मिलने पर सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, लोकसभा सचिवालय एवं संबंधित विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। उमेश पटेल ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए केवल एक संसदीय समिति की सदस्यता नहीं, बल्कि देश के अन्य पिछड़े वर्गों से जुड़े विषयों को और प्रभावी ढंग से उठाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण, सरकारी योजनाओं का लाभ तथा संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को समिति के समक्ष पूरी गंभीरता से रखने का प्रयास किया जाएगा। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि देश के पिछड़े वर्गों को सामाजिक न्याय और विकास की मुख्यधारा में समान अवसर मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। समिति के सदस्य के रूप

में मुझे जो दायित्व मिला है, उसका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करूंगा। दमण एवं दीव सहित देशभर के ओबीसी समाज की समस्याओं और अपेक्षाओं को उचित मंच पर मजबूती से रखने का प्रयास रहेगा। उन्होंने इस दायित्व को जनता की सेवा का एक और अवसर बताते हुए कहा कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और समाज के अंतिम व्यक्ति के सशक्तिकरण के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

WCEF 2026 प्री-इवेंट में संघ प्रदेश थ्रीडी प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को दिया बढ़ावा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क , दमण 09 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा अपने ज्ञान सहयोगी AnanTTattva प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फॉरम 2026 के प्री-इवेंट के अंतर्गत डिकोडिंग द न्यू ईपीआर कम्प्लायंस-फॉर रिसाइक्लिंग एंड रीयूज़ कंटेंट इन प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट टू फुलफिल द सर्कुलर इकोनॉमी विषय पर एक संवादात्मक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में उद्योग प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संबंधित क्षेत्रों के 250 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। सत्र में पारंपरिक टेक-मेक-डिस्पोज व्यवस्था से सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर चर्चा की गई। इसमें संसाधनों के बेहतर उपयोग, अपशिष्ट में कमी, रीयूज, रिसाइक्लिग और सस्टेनेबल बिजनेस प्रैक्टिसेज पर जोर दिया गया। AnanTTattva टीम द्वारा ईपीआर कम्प्लायंस और पूरी वैल्यू चेन में विभिन्न हितधारकों की जिम्मेदारियों, रिसाइकिल्ड कंटेंट से जुड़ी आवश्यकताओं, ईपीआर-ईटीपी पोर्टल, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026, एंड-ऑफ-लाइफ मैनेजमेंट तथा अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन और आय के स्त्रोत में बदलने के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने व्यावसायिक गतिविधियों में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलैरिटी को शामिल करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। अपने उद्घाटन संबोधन में बी. मोहनदास सदस्य सचिव, प्रदूषण नियंत्रण समिति ने रीयूज, रिसाइक्लिग और अपशिष्ट में कमी लाने में ईपीआर की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरणीय अनुपालन सुनिश्चित करने और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस को बढ़ावा देने के लिए पीसीसी द्वारा उद्योगों के साथ मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। अरविंद कुमार, रीजनल डायरेक्टर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - वेस्ट जोन ने सतत विकास के लिए सर्कुलर इकोनॉमी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में प्लास्टिक क्षेत्र से जुड़े बड़े एमएसएमई और औद्योगिक आधार को देखते हुए सर्कुलर इकोनॉमी की आवश्यकता पर जोर दिया। वेबिनार संवादात्मक एवं समाधान-केंद्रित रहा। हितधारकों ने ईपीआर, रिसाइक्लिग, रीयूज़ और रेगुलेटरी कम्प्लायंस से जुड़े कई व्यावहारिक प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों ने इन प्रश्नों का समाधान करते हुए प्रतिभागियों को आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन और व्यावहारिक समाधान प्रदान किए। इस पहल के माध्यम से WCEF 2026 की सोच के अनुरूप संसाधनों के बेहतर उपयोग, सतत विकास और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए संघ प्रदेश थ्रीडी प्रदूषण नियंत्रण समिति की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया गया।

असली आज़ादी

गुरुवार, 10 सितंबर 2026, दमण।

झारखंड की वोटर लिस्ट में मिले अफगान के तीन नागरिक

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तीन अफगान नागरिकों के नाम पाए गए हैं, जिससे चुनाव अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। दस्तावेजों की जांच के दौरान उनकी विदेशी पहचान सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तुरंत मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम नामक इन तीनों व्यक्तियों के नाम जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में दर्ज थे। इन तीनों ने गणना प्रक्रिया पूरी की थी और उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी शामिल हो गए थे। हालांकि, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान कुछ गड़बड़ी मिलने पर तीनों के नाम नोटिस लिस्ट में आए। चुनाव अधिकारियों की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद उनके पासपोर्ट की गहन जांच की गई, जिसमें उनकी पहचान अफगान नागरिकों के तौर पर सामने आई। ये तीनों जमशेदपुर ईस्ट के पोलिंग स्टेशन नंबर 286 में क्रमशः 30, 31 और 33 नंबर पर दर्ज थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि तीन विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इनमें से एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो अन्य संदिग्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीनों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। रवि कुमार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह भी पता लगाया जाएगा कि इन विदेशी नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने में किसने मदद की। उन्होंने इसे एक आपराधिक गतिविधि बताया और कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, इन तीनों के परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जाएगी और उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी वास्तविक नागरिकता और स्थिति का पता लगाया जाएगा। मामले में जमशेदपुर के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी को भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य में ऐसे अन्य विदेशी नागरिकों की भी पहचान की जाएगी, जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर तैनात

सूरत (एजेंसी)। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मार्केट में मंजिलें डबल-हाइट वाली हैं, जिसका मतलब है कि चौथी और पांचवीं मंजिलें असल में अपनी सामान्य ऊंचाई से कहीं ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हैं। नतीजतन, दमकलकर्मियों को करीब 20 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेशन चलाना पड़ा।

गांव की लड़कियों से की शादी तो होगा बायकॉट, गुरुद्वारा सिंह सभा का फैसला

-गांव की लड़कियां शादी के लिए नहीं, बहन

जगराओं (एजेंसी)। पंजाब के रायकोट रोड स्थित रूबी गांव में प्रेम संबंधों को लेकर पंचायत और ग्रामीणों ने सख्त फैसला लिया है। गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई बैठक में तय किया गया कि गांव का कोई युवक यदि गांव की ही लड़की को भगाकर ले जाता है या उससे शादी करता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। युवक के परिवार के खिलाफ भी बहिष्कार की कार्रवाई की बात कही गई है। पंचायत ने यह भी कहा कि लड़की को भगाने के बाद युवक या उसके परिवार ने आत्महत्या की कोशिश की, तो पंचायत, ग्रामीण, समाजसेवी संस्थाएं और खेल क्लब उनकी मदद नहीं करेंगे। पंचायत के अनुसार, यह फैसला फिलहाल रूबी गांव तक सीमित है। आसपास के गांवों में भी जल्द महापंचायत बुलाकर ऐसे फैसलों पर विचार किया जाएगा। पंचायत ने गांव की लड़कियों को बहन मानने की अपील की है।

सत्य निकेतन इलाके में गिरी इमारत से सटी बिल्डिंग को गिराने की कार्रवाई शुरू

-हादसे में 7 लोगों की मौत हुई थी, पुलिस ने इस मामले में की चौथी गिरफ्तारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम ने सत्य निकेतन इलाके में हादसे वाली इमारत से सटी बिल्डिंग को तोड़ना शुरू कर दिया है। 6 सितंबर को बिल्डिंग 'हॉस्टल डेज' ढहने के बाद अधिकारियों ने पड़ोस की इमारत को खतरनाक बताया था। मंगलवार को शुरू हुई कार्रवाई शाम तक चली, जो बुधवार सुबह फिर शुरू हो गई। इस बिल्डिंग में गर्ल्स पीजी चल रहा था। पड़ोस की इमारत गिरने के बाद इसे खाली कराया गया था। सत्या निकेतन में रविवार को गिरी इमारत में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई थी और पांच लोग घायल हुए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमारत गिरने के मामले में लेबर कॉन्ट्रैक्टर को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ा गया है। यह इस मामले में चौथी गिरफ्तारी है। इससे पहले पीजी के मालिक हरिराम, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। हॉस्टल डेज के पड़ोस में ही बने एक पीजी की कुछ स्टूडेंट्स ने अपने कमरे में आई दरारों का वीडियो बनाया था। दावा किया जा रहा है कि यह बिल्डिंग हॉस्टल डेज के ठीक पहले बना गर्ल्स हॉस्टल ही है। यहां रहने वाली दो छात्राओं ने हॉस्टल डेज में हुए हादसे से कुछ मिनट पहले अपने कमरे की दीवारों और छत की दरारों का वीडियो बनाया था। ये दोनों दिल्ली यूनिवर्सिटी की सेकेंड ईयर की छात्राएं हैं। वीडियो में कहा- लगता है गिरने वाली है।

सोमवार रात तीनों आरोपियों हरिराम बंसल, पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। पुलिस रिमांड के दौरान इमारत मालिक हरिराम गुप्ता के बेटे महेश गुप्ता ने जांच अधिकारी को बताया कि पीजी संचालित करने वाली कंपनी की शिकायत पर बेसमेंट में पानी भरने और सीलन की समस्या दूर करने के लिए मरम्मत करवाई जा रही थी। बेसमेंट से पानी निकालने के बाद निर्माण कार्य के दौरान पावर ट्रोवेल मशीन भी चलाई जा रही थी। आशंका है कि मशीन से पैदा हुई कंपन और कमजोर हुई संरचना के कारण भवन भरभराकर गिर गया। सत्य निकेतन पीजी हादसा मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने संकेत दिया कि वे इस मुद्दे को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि देशभर में जर्जर और अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा करेंगे। अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट पहले भी देशभर में अवैध इमारतों के खिलाफ दिशा-निर्देश जारी कर चुका है और अब उनके पालन की स्थिति की समीक्षा करना चाहता है। अदालत की टिप्पणी को भवन सुरक्षा के मुद्दे पर अहम माना जा रहा है।

मलबे में दबे छात्र ने किया फोन, भेजी लाइव लोकेशन फिर बची जान

-दोस्तों ने सत्य निकेतन पहुंचकर किया रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए, लेकिन एक घटना ऐसी भी सामने आई है जिसने उम्मीद की किरण जगाई। मलबे के नीचे दबे 19 वर्षीय छात्र नीरज बावा ने अपनी जान बचाने के लिए आखिरी दम तक हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने मलबे के नीचे फंसे रहते हुए पहले अपने दोस्तों को फोन करके मदद मांगी और फिर अपनी लाइव लोकेशन उन्हें भेज दी। यही सूझबूझ उसके लिए अपनी जिंदगी बचाने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गई। 19 साल के नीरज बावा पिछले कई दिनों से डीयू छात्रसंघ चुनाव के प्रचार में व्यस्त थे। लगातार 20 दिनों तक चुनाव अभियान में रहने के बाद रविवार को बारिश होने पर वह आखिरकार सत्य निकेतन स्थित अपने हॉस्टल डेज पीजी लौटे थे। जैसे ही वह कमरे में पहुंचे, कुछ ही पल में पूरी इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए। गनीमत यह रही कि मलबे में फंसे होने के बावजूद नीरज के पास उसका मोबाइल था। उन्होंने तुरंत अपने दोस्तों को फोन किया और कहा, 卐भैया, मुझे बचा लोज मैं यहां मर जाऊंगा।卐 इसके कुछ मिनट बाद उन्होंने अपनी लाइव लोकेशन भी भेज दी ताकि दोस्त सही जगह तक पहुंच सकें। नीरज का दोस्त विष्णु अपने साथियों के साथ तुरंत घटनास्थल पहुंचा।

बाढ़ पीड़ितों के बीच सांसद पप्पू यादव, व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्णिया, एजेंसी।
निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने हाल ही में बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, हाजीपुर और तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर, का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, खुद खाना बनाया और आर्थिक सहायता भी वितरित की। उन्होंने बिहार सरकार की बाढ़ राहत व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए। हाजीपुर में मुख्यमंत्री के बाढ़ राहत शिविर का जायजा लेने के दौरान पप्पू यादव ने खाने की गुणवत्ता पर तंज कसा। शिविर में रह रहे लोगों ने शिकायत की कि उन्हें जली हुई दाल, कच्चा चना और चावल दिया जा रहा है, जो खाने लायक नहीं है। लोगों ने यह भी बताया कि नियमित मदद नहीं मिलती और व्यवस्थाएं केवल तब सुधरती हैं जब मुख्यमंत्री या कोई बड़ा अधिकारी दौरा करता है।
पप्पू यादव ने इसे सरकार का दिखावा करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के आने पर लाल कारपेट बिछ जाती है, लेकिन उनके जाते ही व्यवस्थाएं धड़ाम हो जाती हैं। उन्होंने हाजीपुर और राघोपुर दोनों जगह लोगों को पांच-पांच सौ रुपये बांटे और महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए। राघोपुर में पप्पू यादव ने खुद पूरी बनाकर बाढ़ पीड़ितों को खिलाई और वहीं रात्रि विश्राम भी किया, जिससे स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में व्यवस्थाएं एकदम लचर हैं। पैसे बांटने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से लोगों के लिए पैसा बांट रहा हूं। बिहार के लोग मेरे भगवान हैं, दूसरे नेता मंदिर में दूध चढ़ाते हैं, मैं जनता की पूजा करता हूं और जनता को ही चढ़ाता हूं। उन्होंने बाढ़ को लेकर दिए गए बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। ललन सिंह के बयान पर पप्पू यादव ने ऐसे बयान देने वालों की संपत्ति की जांच की मांग की। प्रशांत किशोर के बाढ़ हर साल आता है जैसे सूरज उगता है वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर नई नवेली दुल्हन हैं, जो सास से सीखकर बयानबाजी कर रहे हैं। सिर्फ राजनीतिक बयान देते हैं, जनता के बीच नजर नहीं आते।

तमिलनाडु में विजय थलपति की सरकार गिराने की तैयारी?

साथ आ रहे सारे विरोधी, बना रहे रणनीति

चेन्नई, एजेंसी।
चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विरोधी दल उनकी तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार के खिलाफ एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने प्रमुख विपक्षी दल एमके स्टालिन की डीएमके को साथ आने का सीधा चैलेंज दिया है। एआईएडीएमके ने यह भी कहा है कि टीवीके के खिलाफ अन्य नई पार्टियां भी उनके साथ आ सकती हैं। हालांकि, इस चुनौती पर डीएमके की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।
पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी के. पलनीस्वामी से जब टीवीके के खिलाफ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हाँ, हम भी टीवीके के खिलाफ हैं। अगर कोई दूसरी पार्टी इसमें शामिल होना चाहती है, तो हम उनका स्वागत करेंगे। हमारा गठबंधन जैसा है, वैसा रहेगा, और अगर दूसरी पार्टियां आना चाहती हैं, तो वे शामिल हो सकती हैं। इस दौरान उन्होंने डीएमके को चुनौती देते हुए कहा, अगर नई पार्टियां हमारे साथ आना चाहती हैं, तो आ सकती हैं। क्या डीएमकेज क्या डीएमके आएगी? क्या आप यह सवाल पूछ सकते हैं? यह राजनीतिक सरगर्मी तब तेज हुई है, जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद एआईएडीएमके के छह विधायक टूटकर विजय की टीवीके में शामिल हो गए थे, और बचे हुए विधायक भी दो गुटों में बंट गए थे। हालांकि, डीएमके नेता आरएस भारती जून में दोनों दलों के साथ आने से इनकार कर चुके थे, लेकिन उन्होंने कहा था कि अगर डीएमके और एआईएडीएमके भविष्य में साथ आते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। वहीं, अगस्त में स्टालिन ने कहा था कि उनकी पार्टी राजनीतिक वापसी करने में सक्षम है और वह पूरे राज्य में मतदाताओं का समर्थन फिर से हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने विजय पर निशाना साधते हुए कहा था, वह (विजय) विधानसभा को फिल्म का सेट समझते हैं और डायलॉग बोलते हैं। इस बीच, टीवीके बुधवार को चेन्नई में सहयोगी दलों के साथ अपनी दूसरी समन्वय बैठक करेगी। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और एमडीएमके के बैठक में शामिल होने की संभावना है। इस बैठक का उद्देश्य गठबंधन को औपचारिक रूप देना, साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करना, संचालन समिति गठित करना और

गठबंधन का आधिकारिक नाम तय करना है। हालांकि, 2029 के लोकसभा चुनाव में विजय को प्रधानमंत्री पद का संभावित चेहरा बनाए जाने की टीवीके नेताओं की मांग को लेकर कांग्रेस के साथ भी मतभेद सामने आए हैं, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्षी गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। टीवीके ने विजय फॉर पीएम की मांग को व्यक्तिगत राय करार दिया है।

झारखंड में लगातार 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन , मौत के पीछे के कारणों की हो रही तलाश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद अब राजनीति में प्रचलित अंधविश्वास की कहानियों में शुमार हो गया है। लगातार तीसरे शिक्षा मंत्री की असामयिक मौत ने इस पद को लेकर गंभीर चर्चा और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। पहले जगरनाथ महतो, फिर रामदास सोरेन और अब सुदिव्य सोनू के निधन ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस पद के साथ कोई अशुभ जुड़ा है। हेमंत सोरेन ने 2019 में जब भाजपा से सत्ता छीनी, तो उनकी सरकार में 'टाइगर' नाम से मशहूर जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। कोविड महामारी के समय उनके फेफड़े संक्रमित हुए और 6 अप्रैल 2023 को उनका निधन हो गया। जगरनाथ महतो के बाद रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया, लेकिन साल भर में ही वे भी चल बसे। इन दो मौतों के बाद पद पर बैठाने की बारी आई तो तीसरे शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को बनाया गया, जो हेमंत सोरेन सरकार के संकटमोचक और जेएमएम में भरोसेमंद नेता माने जाते थे। हाल ही में 6 सितंबर 2026 को उनका भी निधन हो गया, जिसने इस पद के इर्द-गिर्द अंधविश्वास की कहानियों को और बल दे दिया है। यह सिर्फझारखंड की बात नहीं, राजनीति में ऐसे कई अंधविश्वास प्रचलित हैं। बिहार में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने मंत्री आवास (3, देशरत्न मार्ग) को 'भूतिया' बता दिया था, जब महागठबंधन सरकार गिरने के बाद 2018 में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उनका आरोप था कि भाजपा और नीतीश कुमार ने इस आवास में भूत भेज दिए हैं। पटना में 39, हार्डिंग रोड और स्ट्रैंड रोड का बंगला नंबर 6 जैसे कई अन्य सरकारी आवासों के बारे में भी यही धारणा रही है कि यहां रहने वाले मंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। उत्तर प्रदेश में भी नोएडा को लेकर राजनीतिकों के बीच ऐसा ही अंधविश्वास रहा कि जो भी मुख्यमंत्री वहां गया, उसकी कुर्सी चली गई। जून 1988 में वीर बहादुर सिंह, 1989 में एन.डी. तिवारी के बाद मुलायम सिंह यादव, मायावती और कल्याण सिंह के उदाहरण दिए जाते थे, जिनकी नोएडा दौरे के बाद सत्ता चली गई। इसी भय से 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

तिब्बत में तबाही की आहट: 2 घंटे में दो भूकंप, भारत में भी हिली धरती

नई दिल्ली, एजेंसी।
बुधवार की सुबह तिब्बत, नेपाल और भारत में भूकंप का असर दिखाई दिया है। बता दें कि नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, आज सुबह ठीक 5 बजकर 33 मिनट पर धरती कांप उठी, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से लगभग 121 किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद, सुबह 7 बजकर 23 मिनट पर एक बार फिर से झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता थोड़ी कम होकर 3.1 दर्ज की गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब 3 सितंबर, 2026 को भी तिब्बत क्षेत्र में 5.0 से 5.1 तीव्रता का एक वास्तविक भूकंप दर्ज किया गया था।
तिब्बत में हाल ही में ग्लेशियर टूटने की भयावह घटना के बाद, जहाँ बनी-बनाई इमारतें सेकंड्स में ढह गईं और 1200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, अब धरती

एक बार फिर कांप उठी है। आज सुबह तिब्बत क्षेत्र में दो घंटे के भीतर लगातार दो भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे क्षेत्र में एक नई तबाही की आशंका गहरा गई है। इन झटकों का असर भारत के जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किया गया, जहाँ रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। हालांकि इन झटकों की तीव्रता कम थी, फिर भी स्थानीय लोगों में थोड़ी घबराहट फैल गई। तिब्बत के अलावा, नेपाल में भी 5 मैग्नीट्यूड से ऊपर का भूचाल आया, जिससे वहाँ के निवासियों की चिंता बढ़ गई है, खासकर जब वहाँ पहले से ही ग्लेशियर त्रासदी के बाद राहत कार्य चल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 3.2 से 4.5 तीव्रता के भूकंप आमतौर पर हल्के माने जाते हैं और इनसे दीवारों में दरारें आने जैसा हल्का नुकसान तो हो सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर तबाही की आशंका बहुत कम होती है। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2026 की सुबह तिब्बत और नेपाल की सीमा के पास एक ग्लेशियर टूटा था। इससे आए जोरदार झटके को शुरुआत में 5.2 तीव्रता का भूकंप समझा गया था, लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि वह भूकंप नहीं बल्कि भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के गिरने से पैदा हुआ कंपन था। इस आपदा के कारण नेपाल और तिब्बत के सीमाई इलाके में भोटे कोशी-त्रिशुली नदी घाटी में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही मची थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली हादसे के बाद जम्मू की जर्जर इमारतों पर होने लगे सवाल

-असुरक्षित घोषित परिसर में चल रहे दर्जनों कारोबार, दुकानदार बोले- मजबूरी में काम करना पड़ रहा

जम्मू, एजेंसी।
दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत हादसे के बाद देशभर में असुरक्षित और अवैध निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में जम्मू के वेयरहाउस इलाके में ऐसी इमारतें सामने आई हैं, जिन्हें सरकार औपचारिक रूप से असुरक्षित घोषित कर चुकी है। इसके बावजूद इन इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर व्यापारिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं।
शहर के बीच स्थित इन इमारतों में ऊपर की दो मंजिलों पर सरकारी क्वार्टर थे। प्रशासन ने इन्हें असुरक्षित घोषित करने के बाद यहां रह रहे लोगों को क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए। हालांकि, इन्हीं इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहे दर्जनों व्यापारिक प्रतिष्ठानों की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। इन दुकानों में कई दर्जन लोग रोजाना काम करते हैं। दुकानदारों और वहां काम करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें इमारत की स्थिति को लेकर डर लगता है, लेकिन वे रोजगार की मजबूरी में काम जारी रखे हुए हैं। उनका कहना है कि सरकार ने सरकारी क्वार्टर तो खाली करा दिए, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। यदि सरकार दुकानों को भी खाली कराती है और दूसरी जगह उपलब्ध कराती है तो वे वहां जाने के लिए तैयार हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इमारत की जर्जर हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि

आए दिन सीमेंट, सरिया और ईंटों के हिस्से टूटकर नीचे गिरते हैं। आसपास काम करने वाले लोगों ने दावा किया कि कई बार वे इन गिरते मलबों की चपेट में आने से बाल-बाल बचे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों की जान बचाई जा सके।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया

-पवन खेड़ा से मुलाकात पर दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
शहजाद पूनावाला फिलहाल राजनीति से दूर हैं, लेकिन राजनीति उनसे दूर होती नहीं दिख रही है। हाल ही में सामने आईं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ उनकी तस्वीरों ने अटकलों का नया दौर शुरू कर दिया था। हालांकि, उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया पर फोटोज पर सफाई दी है। खास बात है कि पूनावाला पहले ही कांग्रेस में शामिल होने से इनकार कर चुके हैं। वायरल हो रही फोटोज में नजर आ रहा है कि पूनावाला और खेड़ा दोनों साथ खड़े हैं और हाथ मिला रहे हैं। वहीं, पूनावाला ने इस फोटो के पीछे की कहानी सोशल मीडिया पर बताई है। उन्होंने कहा है कि यह तस्वीर एडिट कर शेयर की गई है और एक कार्यक्रम के दौरान ली गई थी। उन्होंने कांग्रेस में जाने से जुड़ी अटकलों पर विराम एक बार फिर लगा दिया है। शहजाद पूनावाला ने लिखा, सभी जग्गा जासूस जैसे लोगों के लिए। मैं कल पायल मेहता के पिता की याद में आयोजित कार्यक्रम में गया था। जैसी उम्मीद थी वैसा ही हुआ और कई राजनीतिक दलों के नेता भी वहां पर पहुंचे थे। मुझे खुशी है कि कांग्रेस पार्टी से भी कई नेता वहां पर आए थे। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त और भाई किरेन रिजिजू से बात कर रहा था और कई पत्रकार उनसे उनकी स्विमिंग की तस्वीरों के बारे में पूछ रहे थे। जैसे ही हमने पवन खेड़ा का जिक्र किया, तो संयोग से वह सामने से चलकर आ रहे थे और मैंने उन्हें अपनी बातों में शामिल कर लिया और राज्यसभा के लिए चुने जाने पर बधाई दी। प्रफुल्ल पटेल जी हमारी बातचीत को सुन रहे थे। उन्होंने आगे लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाने के लिए, मैं कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं। मुझे दुनिया की सबसे अच्छी पार्टी भाजपा से कोई दिक्कत नहीं है। और शोक सभाओं में कहीं शामिल होने जैसी बातें नहीं की जाती हैं। कोई भी इतना बेशर्म नहीं है कि ऐसी जगह का इस्तेमाल इन बातों के लिए करे। अगस्त में एक बातचीत में जब कांग्रेस में जाने से जुड़ा सवाल किया गया, तो उन्होंने तंज कस दिया था। पूनावाला ने कहा था, मैं कांग्रेस में शामिल हो जाऊंगा। एक शर्त पर। राहुल गांधी को हटा दो, सोनिया गांधी, प्रियंका वाड्रा को हटा दो। नेहरू के कामों पर माफी मांगो। उन्होंने साल 2017 में कांग्रेस से दूरी बना ली थी।

इमाम के रूप में आगा खान पंचम की पहली भारत यात्रा शुरू हुई, जिससे नई दिल्ली के साथ उनके सौ साल पुराने संबंधों को बल मिला

आगा खान न केवल लाखों इस्माइलियों के आध्यात्मिक नेता हैं, बल्कि 30 से अधिक देशों में कार्यरत एक वैश्विक विकास नेटवर्क के प्रमुख भी हैं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली, 9 सितंबर। इस्माइली मुस्लिम समुदाय के 50वें आध्यात्मिक नेता, प्रिंस रहीम आगा खान पंचम, अपने दिवंगत पिता प्रिंस करीम आगा खान चतुर्थ के बाद इमाम का पद संभालने के बाद भारत की अपनी पहली यात्रा पर मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के निमंत्रण पर, आगा खान गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के लिए उनसे मिलेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में अपने प्रवास के दौरान वे विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलेंगे। उच्च स्तरीय बैठकों के बाद अहमदाबाद, मुंबई और हैदराबाद का दौरा किया जाएगा, जहां आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के संस्थानों ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित की है। यह दौरा न केवल इस्माइली समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि आगा खान नेटवर्क के साथ भारत के लंबे समय से चले आ रहे संस्थागत संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो 1905 से देश में काम कर रहा है, जब गुजरात के मुंद्रा में पहला आगा खान स्कूल स्थापित किया गया था। पिछले कई दशकों में, यह संबंध शिक्षा और सामुदायिक मामलों से कहीं आगे बढ़ चुका है। एकेडीएन अब ग्रामीण विकास, कृषि, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, जल और स्वच्छता, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, शिक्षा, पर्यावास और विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करता है। इसकी नवीनतम भारत रिपोर्ट के अनुसार, इसके भारत कार्यक्रम प्रतिवर्ष नौ मिलियन से अधिक लोगों तक पहुँचते हैं।

इस नेटवर्क की सबसे प्रमुख सार्वजनिक उपस्थिति शायद दिल्ली के मध्य में है, जहां आगा खान ट्रस्ट फॉर कल्चर ने हुमायूं के मकबरे और आसपास के मुगल स्मारकों के संरक्षण और निकटवर्ती सुंदर नर्सरी और हजरत निजामुद्दीन बस्ती के रूपांतरण का नेतृत्व किया है। भारतीय सरकारी एजेंसियों के सहयोग से शुरू की गई इस पहल में विरासत संरचनाओं के जीर्णोद्धार को शहरी पुनर्निर्माण, बेहतर स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका के अवसरों के साथ एकीकृत किया गया है। 90 एकड़ में फैली सुंदर नर्सरी का उद्घाटन 2018 में आगा खान चतुर्थ और तत्कालीन उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने किया था। इस व्यापक परियोजना में लगभग 300 एकड़ का क्षेत्र शामिल है और इसके तहत हुमायूं के मकबरे, सुंदर नर्सरी और क्षेत्र के अन्य स्मारकों का जीर्णोद्धार किया गया है। एकेडीएन का वर्तमान कार्यक्षेत्र व्यापक है। इसके शिक्षा कार्यक्रमों में आठ स्कूल, 19 प्रीस्कूल और हैदराबाद में स्थित आगा खान अकादमी शामिल हैं, जो मिलकर 8,500 से अधिक बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं। 2025 तक, इसके प्रारंभिक बाल्यावस्था कार्यक्रमों से 22 लाख बच्चों को लाभ मिला, जबकि लगभग 26 लाख लोगों को पेयजल और स्वच्छता सेवाएं प्राप्त हुईं। इसकी एजेंसियों ने भारत में 17 लाख से अधिक स्वच्छता इकाइयों के निर्माण में सहायता की है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, यह नेटवर्क मुंबई में एक गहन चिकित्सा अस्पताल संचालित करता है और विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों पर केंद्रित कार्यक्रम चलाता है। इसके स्वास्थ्य कार्यक्रमों ने 2025 में लगभग बीस लाख बच्चों, किशोरों और गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जांच और परामर्श प्रदान किया। यह नेटवर्क किसानों, समुदायों और नागरिक समाज संगठनों के साथ आजीविका, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता और सरकारी कार्यक्रमों तक पहुंच के लिए भी काम करता है। भारत में आगा खान की गतिविधियाँ दिल्ली से परे विरासत संरक्षण तक भी फैली हुई हैं। हैदराबाद में, एकेडेमिक्स डिपार्टमेंट ऑफ इंडिया (एकेडीएन) 106 एकड़ के विरासत परिसर, कुतुब शाही मकबरों के संरक्षण में शामिल है, जिससे सांस्कृतिक संरक्षण भारतीय अधिकारियों के साथ इसकी साझेदारी का एक और महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया है। इस पृष्ठभूमि में, प्रिंस रहीम की यात्रा का व्यापक राजनयिक महत्व है। आगा खान न केवल लाखों इस्माइलियों के आध्यात्मिक नेता हैं, बल्कि 30 से अधिक देशों में कार्यरत एक वैश्विक विकास नेटवर्क के प्रमुख भी हैं। एकेडीएन के संस्थान विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक समावेशन और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सरकारों और समुदायों के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आगा खान को धार्मिक नेतृत्व से परे एक व्यापक भूमिका मिलती है। उनकी भारत यात्रा पाकिस्तान के साथ उनकी उच्च स्तरीय बैठकों के बाद हो रही है, जो उनके नेतृत्व वाली संस्था के विशिष्ट सीमा-पार स्वरूप को रेखांकित करती है। आगा खान की भूमिका को केवल सामुदायिक मामलों के परिप्रेक्ष्य से देखने के बजाय, विकास सहयोग और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव के क्षेत्र में भारत की प्राथमिकताओं के साथ उनका गहरा संबंध है।

प्रिंस रहीम का यात्रा कार्यक्रम उनकी व्यापकता को दर्शाता है। गुरुवार को दिल्ली में अपनी बैठकों के बाद, वे अहमदाबाद जाएंगे, जहां उनका गुजरात के राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद वे मुंबई में महाराष्ट्र के राज्यपाल से मुलाकात करेंगे और फिर हैदराबाद के लिए रवाना होंगे, जहां वे तेलंगाना के राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिलेंगे। भारत के लिए, यह यात्रा एक परिवर्तन और निरंतरता दोनों का प्रतीक है - उच्चतम राजनीतिक स्तर पर नए आगा खान के साथ पहली प्रत्यक्ष बातचीत, साथ ही उस साझेदारी की पुष्टि जो 1905 में गुजरात के एक स्कूल से शुरू हुई थी और तब से देश के सबसे लंबे समय तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय परोपकारी और विकास संबंधों में से एक बन गई है। प्रिंस रहीम ने फरवरी 2025 में आगा खान चतुर्थ के बाद 50वें इमाम का पदभार संभाला। भारत की उनकी यह यात्रा इस्माइली समुदाय और एकेडन का नेतृत्व संभालने के बाद उनकी पहली यात्रा है।

कविता : सच्चे शिक्षक

कवि :
मनीष कुमार श्रीवास्तव
(परास्नातक शिक्षक हिंदी)
पी. एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय (सिलवासा)

बचपन की निश्छल मिट्टी से,
जब जीवन रूप नया लेता ।
किशोर वय के मोड़ों पर, मन
जब संशय में होता ।
ज्ञान दीप बनकर आये तब राहों
के हर अंधियारे में।
- हाथ थामकर ले जाते वे,
उजियारे के द्वारे में केवल विद्या
ज्ञान न देते, संस्कारों का सृजन
करें । नैतिक मूल्यों की सरिता
से, पावन मन का भवन करें ।
सपनों के पंख लगाकर, उड़ना
हमें सिखाया है ।
गहन गगन के उच्च शिखर से,
मेल सदा करवाया है। हम
संघर्षों में जूझा करते, वे सम्बल
बन मुस्काते हैं। चुनौतियों से
टकराने का, अदम्य साहस
जगाते हैं । मुश्किल राहें जब
रुक जाएँ, धीरज को ढाल
बताते हैं ।।
बचपन की कोमल मिट्टी को,
प्यार की थाप लगाते हैं।
शिष्यों का जीवन संवार रहे
जो, ''सच्चे - शिक्षक
कहलाते हैं।। सं. शा. क्षे

दूरभाष : 9737936466

उज्जैन के 'खड़े हनुमान' की प्रतिमा हटाने का फैसला अब आईआईटी की रिपोर्ट से होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण परियोजना की जद में आए प्रसिद्ध 'खड़े हनुमान' मंदिर की प्रतिमा को हटाने को लेकर अब तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। भारी मशीनों और कटर से प्रतिमा को हटाने की कोशिश सफल नहीं होने के बाद उज्जैन नगर निगम ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की टीम से सहायता मांगी है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अनुसार, मंदिर के पुजारी महेश बैरागी के अनुरोध पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की टीम ने प्रतिमा का निरीक्षण किया। टीम ने विशेष उपकरणों की मदद से प्रतिमा की जमीन में गहराई और आसपास की मिट्टी की स्थिति का अध्ययन किया है। अब रिपोर्ट के आधार पर तय होगा कि प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से दूसरी जगह स्थानांतरित किया जा सकता है या नहीं। दरअसल, कांठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क को करीब 15 मीटर चौड़ा करने की परियोजना चल रही है। इसी के चलते मंदिर प्रभावित हो रहा है। मशीनों से प्रतिमा हटाने की कोशिश का श्रद्धालुओं ने विरोध किया था। लोगों को आशंका है कि जल्दबाजी में प्रतिमा को नुकसान पहुंच सकता है। फिलहाल प्रतिमा की सुरक्षा के लिए अस्थायी छतरी लगाई गई है। अब सभी की नजर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर की रिपोर्ट पर है।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

सीएम का निर्देश- सभी हॉस्टलों की जांच करें; पीजी ढहने के मामले में अब तक 5 अरेस्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एमसीडी को दिल्ली के कई इलाकों में अवैध इमारतों पर बुलडोजर चलाने और सभी सीनियर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहने को कहा है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी पीजी हॉस्टलों की गहन जांच के भी निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को बिल्डिंग रिकॉर्ड की जांच कर यह पता लगाने को कहा गया है कि अवैध निर्माण कब हुआ और इसके लिए संबंधित विभाग या अधिकारियों की जिम्मेदारी क्या थी।

सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हादसे के बाद एमसीडी ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोडफ़ोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था।

गिरफ्तार आरोपियों में पीजी मालिक, संचालक और लेबर कॉन्ट्रैक्टर: दिल्ली पुलिस ने पीजी हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। वह बिल्डिंग में हॉस्टल डेज नाम से पीजी चला रहा था। उसका पार्टनर शुभम त्यागी फरार है।

दोनों ने अगस्त 2025 में बिल्डिंग लीज पर ली थी। इससे पहले बिल्डिंग मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश और लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को गिरफ्तार किया जा चुका है। सोमवार रात हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला और बेटे महेश को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, जिंदादिली से जीने की सीखें कला

(विश्व आत्महत्या निवारण दिवस विशेष 10 सितंबर 2026)

लेखक :- डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल/व्हॉट्सएप्प
क्र.08237417041
ईमेल:- prit00786@gmail.com

जीवन के मोल का अंदाजा केवल एक बात से लगा लीजिए कि, एक मृत शरीर है, दुनिया की सारी दौलत खर्च करके, अत्याधुनिक अस्पताल, सरकारें, धार्मिक कर्मकांड सब मिलकर कोशिश कर लें, पूरे ब्रह्मांड की ताकत लगाकर भी मृत शरीर में एक सेकंड के लिए भी जान नहीं ला सकते। मतलब जीवन अनमोल है, उसे खत्म करने का अधिकार हमें स्वयं भी नहीं, क्योंकि यह जीवन अन्य की देन हैं। हर साल 10 सितंबर को "विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस" जागरूकता हेतु दुनियाभर में मनाया जाता है, इसका उद्देश्य लोगों में आत्महत्या जैसे बुरे विचारों को दूर करके एक सुखद सकारात्मक सोच जैसा वातावरण बनाने पर जोर देना हैं। इसकी थीम ₹आत्महत्या के बारे में सोच बदलना और बातचीत शुरू करें₹ यह है, वर्ष 2024 से 2026 तक यही थीम रखी गयी हैं।

आज के आधुनिक युग में आत्महत्याओं में बेहद बढ़ोतरी हमें संकेत दे रही है कि, हम अनुचित वातावरण में जी रहे है, आत्महत्या के कारण जैसे - मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, मानसिक खेलों का शिकार होना, अकेलापन और कमजोर होते सामाजिक संबंध, असफलता, पढ़ाई और करियर का दबाव, आर्थिक असुरक्षितता, धोखाधड़ी, डर, रिश्तों का टूटना, सामाजिक तुलना और डिजिटल दबाव, हिंसा, दुर्व्यवहार और भेदभाव, नशीले पदार्थों का सेवन या बुरी लत, झूठे दिखावे की आदत, शरीर या मन में लंबे समय तक दर्द और बीमारी। ऐसे अनेक कारणों से आत्महत्या में लगातार वृद्धि हुयी है, इसमें जल्द सुधार की आवश्यकता हैं। जब आत्महत्या होती है, तब केवल एक जान ही नहीं जाती, बल्कि उस परिवार, रिश्तेदार, कार्यस्थल, समाज और उससे संबंधित संपूर्ण समुदाय में हमेशा के लिए एक स्थान रिक्त होता है, सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक प्रभाव पड़ता हैं। आत्महत्याओं को रोकने के लिए आपसी रिश्तों में सहानुभूति के साथ बातचीत को बढ़ावा देना बहुत जरुरी हैं। गलतफहमी को दूर करना, समस्या साझा करना, खुलेपन से अपनी बात रखना, सहानुभूति और सहयोग का माहौल बनाना, यह बातें बेहद आवश्यक हैं। सरकार और सामाजिक संस्थाओं ने भी समाज में सकारात्मक माहौल बनाये रखने में अमूल्य भूमिका निभानी चाहिए।

जिस देश या समाज में ज्यादा समस्याएं, परेशानियां होती है, वहां के वातावरण में रहनेवाले लोग ज्यादा आत्महत्याएं और अपराध करते है, क्योंकि जीने के लिए अधिक संघर्ष का सामना करना पड़ता हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानसिक स्वास्थ्य एटलस 2024 रिपोर्ट अनुसार, साल 2021 में 7,27,000 मौतें आत्महत्या के कारण हुईं। युवाओं में मौत की तीसरी सबसे बड़ी वजह आत्महत्या ही हैं। वैश्विक स्तर के तुलना में भारत में आत्महत्याएं ज्यादा होती हैं। महाराष्ट्र में किसान वर्ग की आत्महत्या सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। महाराष्ट्र सरकार के आंकड़ों अनुसार, राज्य में साल 2023 में कुल 6,669 किसान और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की, जबकि पुरे भारत में 10786 किसानों ने आत्महत्या की थी।

बहुत बार हमें पता होता है कि, कोई चीज हमारे लिए नुकसानदायक है, फिर भी हम नहीं सुधरते। अनेक बार छोटी-छोटी बिना काम की बातों को अधिक तूल दिया जाता है, जिसका सीधा बुरा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता हैं। आजकल खुद को दुःख देने के लिए हम खुद ही ज्यादा जिम्मेदार है, जल्द गुस्सा आना, मनमाफिक काम न होने पर आपा खो देना, दुसरो को दोष देना या द्वेष करना, दूसरों पर अंधा भरोसा, भावनाओं में बह जाना, स्वार्थ, लालच, झूठा दिखावा करना और विपरीत स्थिति में भी दिखावा बनाये रखना, समाधान की कमी, लगातार जिंदगी की प्रतियोगिता में भागते रहना, बुरी संगत, दूसरों की खुशी में दुखी और दूसरों के गम में खुश होना, ईर्ष्या, लोगों से ज्यादा अपेक्षाएं लगाना, आश्रित होना, मानसिक खेलों का शिकार होना, मेहनत से दूर भागना और शॉर्टकट अपनाना जैसी अनेक बातें मनुष्य के खुद की उपज है, चाहे तो मनुष्य इन बातों पर नियंत्रण रखकर बेहतर स्वास्थ्यवर्धक समाधानी जीवन जी सकता हैं। हमारी गलतियों का नतीजा ही बहुत बार हमें आत्महत्या के विचारों तक लाता है, इसलिए काम या व्यवहार ही ऐसा करें, जो हमें परेशानी और गलतियों से बचायें।

दूसरों पर जल्द भरोसा न करें, अंधा भरोसा किसी पर भी न करें। समयानुसार अपने काम में परिवर्तनशीलता लाये, कौशलता सीखें। गहरे मनोवैज्ञानिक खेल खेलने वालों से बचें। झूठे दिखावे से बचें, नशे से दूर रहें, बुरी संगत न करें। पछतावे में समय न गवाएं, अब क्या बेहतर हो सकता है, ये सोचें। कम ही सही लेकिन अच्छे लोगों के संपर्क में रहें, जो विपरीत परिस्थितियों में भी आपका साथ दें। आधुनिकता और सोशल मीडिया की लत न लगायें। किसी भी निर्णय से पहले सोचें-समझें, परिणाम का अंदाज लगाए फिर क्रिया करें। उग्र गुस्सा, भावनाओं या जोश में अनुचित निर्णय लेने से बचें। आधुनिक जीवनशैली मानव जीवन के लिए अभिशाप साबित हो रही है, इसका अनुसरण ना करें। समाधानी बनें, मेहनत पर भरोसा करें, अपनी इच्छाएं दूसरों पर न थोपें, रोजाना खुद के लिए समय निकालें, हेअल्थी हॉबी को प्राथमिकता दें।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की तंदरुस्ती के लिए रोजाना व्यायाम करें। प्रकृति, पर्यावरण, पशु-पक्षी की रक्षा और परोपकार की भावना जगायें, असहायों की मदद करें। जिंदगी जिंदादिली से जीना है काटना नहीं हैं। अपनों के प्यार, भावनाओं की कद्र करें और अपने अनमोल जीवन का मोल समझें। हमारी वजह से कभी किसी को तकलीफ न हों, ऐसे जीवन का निर्धार करें। अगर हम अनुचित काम नहीं कर रहे, तो लोग क्या कहेंगे इसका विचार न करें, कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता हैं। दूसरों की खुशी में खुश और दूसरों के गम में दर्द बांटना ही इंसानियत है, यही मानव का फर्ज हैं। ऐसी आदतों और वातावरण में जीनेवाला व्यक्ति हमेशा सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत होता है, तकलीफों और मुश्किलों से भागता नहीं, डटकर मुकाबला करता हैं। हमेशा शांत, सजग, समाधानी और प्रसन्न रहता है और ऐसे ही हमें जीना हैं।

लुई ब्रेल, अब्राहम लिंकन, फ्लोरेंस नाइटिंगेल, महात्मा ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, थॉमस एडिसन, अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, मैरी क्यूरी, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, श्रीनिवास रामानुजन, चार्ली चैपलिन, नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, दशरथ मांझी, बछेंद्री पाल, सिंधुताई सपकाल, अरुणिमा सिन्हा, मलाला यूसुफजई, निक वुजिचिक, तुलसी गौड़ा, सोनम वांगचुक, मैरी कॉम जैसे असंख्य लोग हुए और आज भी है, जो विपरीत परिस्थितियों पर मात कर संघर्षमय जीवन को एक मिसाल बनाकर दुनिया में पथ प्रदर्शक के रूप में रोशन हुए हैं।

तनाव के कारण हार्ट अटैक, पक्षाघात या अन्य गंभीर बीमारी की समस्या तेजी से बढ़ रही है, किसी भी समस्या में तनाव न लें, यह तनाव व्यवस्थापन की कला हमने अपने देश के नेताओ से सीखना चाहिए। अतिसाधारण ग्रामीण व्यक्ति, साधारण, कद-काठी लगभग अनपढ़ गरीब मजदूर दशरत मांझी ने बिना किसी के सहारे 22 साल के अथक परिश्रम से अकेले पहाड़ काटकर लोगों की सुविधा के लिए रास्ता बनाया। इतनी मुसीबतों में उन्होंने इतिहास रचा, तो हम क्यों जल्दी जिंदगी से हार मान लेंगे। जब तक सफलता नहीं मिलती तब तक प्रयास जारी रखें, अपने कार्य में छोटीसी चींटी भी कभी हार नहीं मानती, फिर तो हम इंसान है, जीत जायेंगे हम भी अगर हमारा इरादा और हौसला बुलंद है तो। मुश्किलें, असफलता या दुःख आये या कभी भी बुरे ख्याल परेशान करे तो, एक बात ध्यान में रखना कि, दुनिया में हमसे भी ज्यादा बुरे परिस्थिति में लोग जी रहे है और समय परिवर्तनशील है वक्त बदलता जरूर है, हमारा भी वक्त बदलेगा।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM PINALBHAI ISHWARBHAI AHER TO **PINAL ISHWAR AHER** AS PER DOCUMENT.
ADDRESS: KOTHARPADA, KARACHGAM, AMBOLI, SILVASSA -396230.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM BHANDARI URMIBEN CHAMPAKBHAI TO **URMI SUNIL BHANDARI** AS PER DOCUMENT.
ADDRESS : SHILPAM APARTMENT, FLAT NO.101 NEAR GAYATRI MANDIR, AMLI, SILVASSA 396230

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- SAJEDA UMAR
NEW NAME :- SAJEDA UMAR HJARI
ADDRESS :- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN AND DIU

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- UVESH ABDULRAZAK
NEW NAME :- UVESH ABDULRAZAC
ADDRESS :- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN AND DIU

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- ABDULRAZAK
NEW NAME :- ABDULRAZAC USSENBAI
ADDRESS :- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN AND DIU

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- HAJIM ABDULRAZAK
NEW NAME :- HAJIM ABDULRAZAC
ADDRESS:- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN AND DIU

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- ABDUL RAZAK
NEW NAME :- ABDULRAZAC USSENBAI
ADDRESS :- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN AND DIU

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- FASLE ABDULRAZAK
NEW NAME :- FASLE ABDULRAZAC
ADDRESS:- 4/21 GHANCHI STREET RAJIV GANDHI SETU KHARIWAD NANI DAMAN DAMAN

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad

Office
02875
225990

Mo.9426989796
Mo.9104980990

MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP GOVERNMENT OF INDIA
Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
*****

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), नई दिल्ली, (कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक असांविधिक विनियामक प्राधिकरण) में) अध्यक्ष पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पात्रता मानदंड, निर्धारित प्रपत्र और अन्य आवश्यक जानकारी के साथ विस्तृत विज्ञापन इस मंत्रालय की वेबसाइट (http://www.msde.gov.in) पर उपलब्ध है। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में सभी तरह से पूर्ण अपना आवेदन संयुक्त निदेशक (ईएंडपी विंग) को ईमेल (ecopd-msde@gov.in) या डाक द्वारा 02.11.2026 को शाम 5:30 बजे तक या उससे पहले भेज सकते हैं।

हस्ताक्षर/-
संयुक्त निदेशक,
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 08 सितंबर, 2026

CBC 63101/11/0007/2627

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

ललित गर्ग

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी।

ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निमार्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निमार्ता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है। यदि तकनीक सुविधा दे, छोटे व्यापारी अवसर पाएं, उपभोक्ता सुरक्षित रहे, कामगार को सम्मानजनक रोजगार मिले, पर्यावरण पर बोझ घटे और कंपनियां टिकाऊ मुनाफे के साथ आगे बढ़ें, तभी यह विस्तार वास्तविक आर्थिक प्रगति कहलाएगा। भारत के ई-बाजार के सामने इसलिए एक बड़ा अवसर और एक बड़ी चेतावनी दोनों हैं। 345 अरब डॉलर का लक्ष्य आकर्षक है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस बाजार की गुणवत्ता। हमें ऐसा ई-बाजार चाहिए जो केवल खरीदारी को तेज न बनाए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी, अधिक विश्वसनीय, अधिक मानवीय और अधिक टिकाऊ बनाए। आने वाले वर्षों में जीत उसी की होगी जो ग्राहक को केवल वस्तु नहीं, विश्वास, सुविधा और मूल्य-तीनों एक साथ दे सके। यही ई-बाजार की अगली और सबसे महत्वपूर्ण क्रांति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेलगाम अधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करने के मामले जो टिप्पणियां की हैं, वो देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दशार्ता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो। उल्लेखनीय है कि मामले में लिप्त अधिकारी कोई ऐसा ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, मसलन व्हाट्स ऐप संदेश या वीडियो उपलब्ध नहीं करा सके, जो यह साबित करता कि छात्रा ने लोगों को दंगे या तोड़-फोड़ के लिये उकसाया था। जिसके बाद ही अदालत ने अभियुक्त की हिरासत रद्द करने के आदेश दिए। देश का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करना एक जायज अधिकार रहा है। एक स्वतंत्र देश में तो यह अधिकार और सबल हो जाता है। निस्संदेह, किसी संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध व प्रदर्शन में शामिल होने और हिंसा भड़काने के बीच फर्क बहुत अहम है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियां हैं।

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्त्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मो से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शाछा एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्त्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं समाधान, संवाद बने जीवन की ढाल

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से ह्वविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ल मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्वइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्ल (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2026 की थीम है ह्वआत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलनाह्ल। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएं दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं।

मिट्टी के गणेश की स्थापना बने देश का संकल्प, आस्था के साथ पर्यावरण की भी हो रक्षा

कांतिलाल मांडोत

गणेशोत्सव केवल भगवान गणेश की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है।

हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन केवल मूर्ति बनाने की कला सिखाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में एक विचार को जन्म देते हैं।

सबसे बड़ा सवाल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। जब बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जलस्त्रोतों में होता है तो वहां प्रदूषण का दबाव बढ़ जाता है।

जलस्त्रोत केवल इंसानों के लिए पानी का माध्यम नहीं हैं। वे असंख्य जलीय जीवों और वनस्पतियों का घर भी हैं। पानी में जाने वाली ऐसी सामग्री जो प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होती, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। रासायनिक रंगों और अन्य गैर-प्राकृतिक पदार्थों से जल की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे मछलियों सहित दूसरे जलीय जीवों के जीवन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसलिए गणेश प्रतिमा की सामग्री का चयन केवल धार्मिक या सौंदर्य का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भी विषय बन चुका है।

इसके मुकाबले प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करती है। मिट्टी प्रकृति का हिस्सा है और उचित परिस्थितियों में पानी के संपर्क में आने पर प्राकृतिक रूप से वापस मिट्टी में मिल सकती है। इसका अर्थ यह है कि श्रद्धा से स्थापित की गई प्रतिमा उत्सव के बाद प्रकृति पर लंबे समय तक बोझ नहीं बनती। यही कारण है कि मिट्टी के गणेश की स्थापना को केवल एक फैशन या अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे हमारी धार्मिक परंपरा को प्रकृति के साथ जोड़ने वाली जिम्मेदार पहल के रूप में अपनाने की जरूरत है।

मिट्टी के गणेश का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन मिलता है। जब लोग प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता देंगे तो स्थानीय मूर्तिकारों के लिए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। गांवों और छोटे शहरों में पारंपरिक रूप से प्रतिमा बनाने वाले कारीगरों की कला को भी संरक्षण मिलेगा। गणेशोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को मजबूत करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष हो सकता है। मिट्टी की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया बच्चों के लिए भी रचनात्मक और शिक्षाप्रद अनुभव बन सकती है। धरमपुर की कार्यशाला में बच्चों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें घर ले जाकर स्थापित करने का संकल्प लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को केवल धार्मिक भावना से नहीं जोड़तीं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाती हैं। जिस बच्चे ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए होंगे, उसके लिए प्रतिमा और प्रकृति के बीच संबंध को समझना कहीं अधिक सहज होगा।

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन या नगर निकाय की नहीं हो सकती। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका है। परिवार यदि मिट्टी की प्रतिमा खरीदने या बनाने का निर्णय लेते हैं तो यह बदलाव की शुरूआत होगी। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं बच्चों के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं। धार्मिक संस्थाएं और गणेश मंडल भी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। स्थानीय प्रशासन जलस्त्रोतों की स्वच्छता और सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था के साथ लोगों को प्राकृतिक प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक आस्था के विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आस्था और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्त्रोत हमारे सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। भगवान गणेश स्वयं प्रकृति से जुड़े अनेक प्रतीकों के साथ पूजे जाते हैं। ऐसे में उनके उत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाना हमारी परंपरा की भावना के और करीब ले जाता है।

आज आवश्यकता केवल एक वर्ष मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की नहीं, बल्कि इसे स्थायी सामाजिक संकल्प बनाने की है। यदि एक परिवार से शुरूआत होती है तो धीरे-धीरे पूरा मोहल्ला, शहर और फिर पूरा समाज इससे जुड़ सकता है। आने वाले वर्षों में ऐसा समय आ सकता है जब गणेशोत्सव की पहचान ही पर्यावरण अनुकूल उत्सव के रूप में होने लगे। जब लोग गर्व से कहें कि उनके घर में स्थापित गणेशजी मिट्टी से बने हैं और विसर्जन के बाद वे प्रकृति में ही समा जाएंगे, तब यह उत्सव वास्तव में एक नए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनेगा।

गणेशजी विघ्नहर्ता हैं। आज प्रदूषित होते जलस्त्रोत, घटती जल गुणवत्ता और प्रकृति पर बढ़ता दबाव हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों को कम करने में हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित करना भले ही छोटा संकल्प दिखाई दे, लेकिन करोड़ों परिवार इसे अपना लें तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए इस गणेशोत्सव पर घर-घर से यही आवाज उठनी चाहिए कि आस्था भी रहे, परंपरा भी रहे और प्रकृति भी सुरक्षित रहे।

मिट्टी के गणेश केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि बदलती सोच का प्रतीक बन सकते हैं। यह संकल्प भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा को कम नहीं करता, बल्कि श्रद्धा को प्रकृति की सेवा से जोड़ता है। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी होगी, जब उत्सव के बाद हमारे जलस्त्रोत पहले से अधिक स्वच्छ रहें, जलीय जीवन सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियां भी उसी निर्मल प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसकी रक्षा की जिम्मेदारी आज हमारे हाथों में है। इस बार गणेशजी को घर लाते समय एक संकल्प भी साथ लाना होग।गणेशजी मिट्टी के होंगे और हमारा उत्सव प्रकृति के हित में होगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

टीवी एंकर चेंग लेई ने तीन साल जेल में गुजारा अमानवीय जीवन, अब पूरी दुनिया को कर रहीं आगाह

सिडनी, एजेंसी। चीन दुनियाभर में अपनी सौम्य और अच्छी छवि दिखाने की कोशिश करता है लेकिन लोगों को उसके दिखावटी चेहरे पर भरोसा करने के बजाय हकीकत की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए। चीन ऐसा देश है जो अपने नागरिकों और विदेश में रहने वाले प्रवासियों को दुश्मन के तौर पर देखता है। यह कहना है चीनी-ऑस्ट्रेलियाई एंकर चेंग लेई का, जिन्हें महज एक मैसेज भेजने के कारण तीन साल चीन की जेल में बिताने पड़े थे। चीन में जन्मीं और ऑस्ट्रेलिया में पली बढ़ी चेंग लेई को बिना किसी ठोस कारण 1,154 दिन तक जेल में अमानवीय यातनाएं सहनी पड़े। चेंग लेई को अक्तूबर 2023 में चीन की जेल से रिहा किया गया था और अब वह ऑस्ट्रेलिया में बतौर एंकर काम कर रही हैं। लेकिन जेल से बाहर आने का मतलब यह नहीं है कि उनका संघर्ष खत्म हो गया है। उनका मानना है कि कैद का असर उनके जीवन पर हमेशा रहेगा और एक तरह से यह सजा रिहाई के बाद भी जारी है। तमाम मानसिक आघातों के बावजूद, लेई अब स्कूबा डाइविंग, कॉमेडी और थिएटर के जरिये जिंदगी को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हैं। जेल में बताए अपने अनुभवों के आधार पर वह चीन की सच्चाई पर पूरी दुनिया को आगाह कर रही हैं।

भारत-बांग्लादेश में जल्द बहाल होंगी ट्रेन सेवाएं: मैत्री, बंधन-मिताली एक्सप्रेस पर आज मंथन; नया रूट भी संभव

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच इस सप्ताह यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने पर बातचीत होने जा रही, जो 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के दौरान हुई हिंसक अशांति के बाद से बंद पड़ी हैं। बांग्लादेश रेलवे के अधिकारी मंगलवार से ढाका में भारतीय समकक्षों के साथ दो दिवसीय इंटर-गवर्नमेंटल रेलवे मीटिंग (आईजीआरएम) करेंगे। इसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा शुरू करने के साथ ही एक नए रूट पर भी चर्चा होगी। मैत्री एक्सप्रेस ढाका को कोलकाता से, बंधन एक्सप्रेस खुलना को कोलकाता से और मिताली एक्सप्रेस पहले ढाका को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ती थी। बांग्लादेश की ओर से राजशाही को कोलकाता से जोड़ने वाला नया रूट प्रस्तावित किए जाने की संभावना है। साथ ही मैत्री एक्सप्रेस को जमुना पुल के बजाय नवनिर्मित पद्मा पुल से चलाने का भी प्रस्ताव आ सकता है। अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की सहमति बनी तो अगले महीने से सेवाएं फिर शुरू हो सकती हैं। हालांकि, अंतिम फैसला दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व को लेना होगा।

लेबनान में इस्राइली हमले में 12 की मौत: हूती लड़ाकों का दावा- सऊदी विमान गिराया; प. एशिया में क्या हैं हालात

दुबई, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी इलाके के एक गांव पर इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।इस बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के एक टोही विमान को मार गिराने का दावा किया है। पिछले हफ्ते सऊदी अरब के एक टैंकर पर हमला हुआ था। उसके चालक दल के सात सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस्राइल ने सोमवार तड़के दक्षिणी लेबनान के कफर रुमान गांव पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई। इनमें एक पैरामेडिक, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। यह हमला इस्राइल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के कई लड़ाकों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, ये लोग कफर रुमान में हथियार पहुंचा रहे थे। सेना ने यह भी कहा कि वह इस दावे की जांच कर रही है कि रात के हमलों में कई आम लोग घायल हुए। इस्राइल के अनुसार, ये हमले हिजबुल्ला के उन लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने इलाके में सैनिकों पर विस्फोटक ड्रोन से हमला किया था। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने उत्तरी यमन में सऊदी अरब का एक सशस्त्र टोही विमान मार गिराया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि विमान जौफ प्रांत के हवाई क्षेत्र में देखा गया था। उनके अनुसार, यह सऊदी अरब का विमान था और कथित तौर पर 'दुश्मनी की कार्रवाई' के लिए वहां आया था। इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हूती प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सऊदी अरब के कुल तीन टोही ड्रोन मार गिराए गए हैं। इनमें से एक सोमवार सुबह बायदा प्रांत में देखा गया था।

समुद्र में अमेरिका का कहर: इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता

क्विटो, एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोमवार को प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

अमेरिका ने कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया : अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं।

क्या पहली बार हुई ऐसी कार्रवाई : नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। वे रविवार को बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे। कॉन्क्विस्टा-2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें : मारिया कैंडेलारिया: पिछले सप्ताह प्रशांत महासागर में इस जहाज को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने बाद में इसके 26 सदस्यों को खोज लिया।

कॉन्क्विस्टा-2: इस जहाज के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। उनके परिवार उनके ठिकाने की जानकारी मांग रहे थे।

ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस: इन दोनों जहाजों के चालक दल का कहना है कि अमेरिकी कार्रवाई में उनके जहाज डुबो दिए गए।

तैरते ईंधन केंद्र: अमेरिकी कमान ने ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस को कई जहाजों को अवैध ड्रग तस्करी में मदद देने वाले तैरते ईंधन केंद्र बताया है।

लॉस चोनेरोस कनेक्शन: अमेरिका का कहना है कि निशाना बनाए गए सभी जहाज लॉस चोनेरोस से जुड़े थे। अमेरिका इस संगठन को विदेशी आतंकवादी संगठन मानता है।

पुराने मामलों का विवाद: इस साल तीन अन्य जहाजों के इक्वाडोरियन चालक दल भी अमेरिकी सेनाओं द्वारा रोके जाने की बात कह चुके हैं। इनमें फियोरेला भी शामिल है, जिसके आठ मछुआरे जनवरी से लापता हैं। मौतों का आंकड़ा: एक साल से ज्यादा समय में कैरेबियन और प्रशांत क्षेत्र में नावों के खिलाफ अमेरिकी सरकार की 68 कार्रवाइयों में कम से कम 227 लोग मारे गए हैं। इन हमलों की वैधता और प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

क्या अमेरिका के दावे पर भी उठे सवाल : इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जहाज का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

जमीन पर भी ऐसी कार्रवाई करने की तैयारी में अमेरिका : ट्रंप प्रशासन सहयोगी देशों के साथ ऐसे समझौते करने की कोशिश कर रहा है, जिससे अभियान को कई लैटिन अमेरिकी देशों की जमीन तक बढ़ाया जा सके। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा यात्रा के दौरान कहा था कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अपनी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त अमेरिकी सैन्य अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्वाटेमाला ने ऐसा कोई समझौता होने से इनकार किया है। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के संयुक्त अभियान शुरू किए थे।

अमेरिका में करना होगा उत्पादन': ट्रंप की कनाडा की विमान कंपनी को चेतावनी; ओटावा पर क्यों भड़का ईरान

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा की विमान कंपनी बॉम्बार्डियर को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि अगर कंपनी अपने विमान बेचना चाहती है, तो उसे अपना उत्पादन अमेरिका में शुरू करना होगा। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा, अमेरिका में बॉम्बार्डियर की बिक्री अब और नहीं। उनके उत्पाद इतने अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा, उनकी (कनाडा) 50 फीसदी से ज्यादा कमाई अमेरिका से होती है। वे अमेरिकी खरीदारों, अमेरिकी कंपनियों, हवाई अड्डों और सेवाओं पर निर्भर हैं। वहीं, कनाडा पूरे अमेरिका में हमारे महान अमेरिकी बैंकों और कंपनियों को रोकता है।

ट्रंप ने अमेरिकी विमान कंपनी गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा ने इस कंपनी को अपने बाजार में कारोबार करने से गलत तरीके से रोका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस को भी कनाडा में कारोबार करने से रोक दिया। यह पूरी तरह गलत और अनुचित है। वह दौर अब खत्म हो गया। उन्होंने कहा, अगर उन्हें हमारा बाजार चाहिए, तो उन्हें यहां उत्पादन करना होगा। अमेरिका को 'पिगी बैंक' समझना बंद करना होगा। इसके बाद ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी सामान खरीदें। अमेरिकी विमानों से उड़ान भरें। अमेरिकी शराब और पेय का आनंद लें। लेक अमेरिका में नौकायन करें। अमेरिका पहले।' ट्रंप का यह बयान दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार विवाद के बीच आया है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने के बाद तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के सामान पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ ऐसा लंबे समय का व्यापार समझौता चाहता है, जिससे दोनों देशों को फायदा हो। उन्होंने कहा कि कनाडा अपने कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के हितों की रक्षा करता रहेगा। कार्नी ने कहा, हम हमेशा कनाडा, कनाडाई कर्मचारियों और कनाडाई परिवारों के हित में खड़े होंगे। हम किसी आसान जीत या सिर्फ घोषणा की तलाश में नहीं हैं। हम ऐसा समझौता चाहते हैं, जो लंबे समय तक चले। ऐसा समझौता संभव है और यह दोनों के हित में है। कार्नी ने कहा कि ऐसा समझौता कनाडा के कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के साथ-साथ अमेरिकी उपभोक्ताओं, कारोबार और परिवारों के लिए भी फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि कनाडा अब सिर्फ अमेरिका के अगले कदम का इंतजार नहीं करेगा।

यमन में जेल पर सऊदी हमले का आरोप: बच्चे समेत सात की मौत; हूतियों का दावा- लेंगे बदला; तनाव क्यों बढ़ा

काहिरा, एजेंसी। यमन के उत्तरी हिस्से में सोमवार को एक जेल पर हमला हुआ। हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया कि यह हमला सऊदी अरब ने किया। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। कम से कम सात लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक महिला भी है। हमला रणनीतिक रूप से अहम अल-जौफ प्रांत के हज्म शहर में स्थित सेंट्रल करेक्टिव फैसिलिटी पर हुआ। जेल की इमारत का एक हिस्सा हमले के बाद मलबे में बदल गया। जेल वार्डन के मुताबिक, 35 कैदी और पति से मिलने आई एक महिला मलबे में फंसे थे।

हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबही ने सऊदी अरब पर हमले का आरोप लगाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने भी सऊदी अरब पर हवाई हमले करने और जौफ में 'नरसंहार' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक निगरानी ड्रोन भी तैनात किया और भाड़े के लड़ाकों को अलग-अलग हथियार मुहैया कराए। सारी ने कहा, 'यमन के खिलाफ जारी सऊदी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा और उसे सजा मिलेगी।' सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। नहीं। यमन युद्ध के दौरान जेलों और हिरासत केंद्रों पर पहले भी हमले हुए हैं। 2022 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के एक हमले में उत्तरी सादा प्रांत की एक हिरासत सुविधा निशाना बनी थी। इसमें कम से कम 87 कैदियों की मौत हुई थी और करीब 266 लोग घायल हुए थे। सितंबर 2019 में दक्षिण-पश्चिमी धमर प्रांत में हूतियों द्वारा संचालित हिरासत केंद्र पर हमला हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे। यमन में गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ। तब हूती विद्रोही अपने उत्तरी गढ़ से आगे बढ़े और राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को पहले दक्षिण और फिर सऊदी अरब में निर्वासन के लिए जाना पड़ा। सरकार को बहाल करने के लिए अगले साल सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने युद्ध में दखल दिया।

9/11 के 25 साल बाद खुली पुरानी फाइल: अल-कायदा नेता संग दिखा संदिग्ध, एफबीआई ने क्यों नहीं की कार्रवाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के करीब 25 साल बाद ओमर अल-बायूमी को लेकर नए सवाल खड़े हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे पुरानी वीडियो फुटेज सामने आए हैं, जिनमें बायूमी भविष्य के अल-कायदा नेता अनवर अल-अवलाकी के साथ नजर आ रहा है। एक फुटेज में दोनों सैन डिएगो के पास पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। दूसरे वीडियो में बायूमी और अवलाकी एक-दूसरे को गले लगाते नजर आते हैं। खास बात यह है कि इन फुटेज को एफबीआई ने 9/11 हमलों के कुछ ही दिनों बाद हासिल कर लिया था।

पेंटबॉल वाले वीडियो में क्या दिखा : बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 या 1998 की शुरुआत में बनाए गए वीडियो में बायूमी, अवलाकी और दूसरे लोग सैन्य अंदाज में पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। कुछ प्रतिभागियों ने सैन्य वर्दी जैसे कपड़े पहन रखे थे। लड़ाई के दौरान कुछ लोग 'अल्लाहु अकबर' भी चिल्लाते सुनाई देते हैं। एफबीआई अधिकारियों को जांच के दौरान बताया गया था कि इन पेंटबॉल सत्रों का इस्तेमाल कुछ लोग जिहाद की ट्रेनिंग के लिए करते थे। इसी फुटेज में सऊदी अरब के इस्लामिक अफेयर्स मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी की मौजूदगी भी बताई गई है। बायूमी और अवलाकी की नजदीकी वीडियो में साफ दिखाई देती है। फुटेज में सैन्य अंदाज वाले पेंटबॉल मुकाबले दर्ज हैं। कुछ लोगों के जिहाद प्रशिक्षण से जुड़े होने की बात एफबीआई तक पहुंची थी। बायूमी के सऊदी अधिकारियों से संपर्क भी सामने आया था।

बायूमी के पास ऐसा कौन सा सबूत मिला था, जिसने एफबीआई को चौंकाया : 21 सितंबर 2001 को ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बायूमी को गिरफ्तार किया था। तलाशी में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और कम से कम 80 वीडियो टेप मिले। इनमें एक नोटबुक का पन्ना खास था। उस पर एक विमान का चित्र बना था। साथ ही विमान की ऊंचाई और किसी लक्ष्य से उसकी दूरी से जुड़ी गणनाएं भी थीं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 9/11 पीड़ित परिवारों की कानूनी टीम ने इसे बेहद अहम सबूत माना। टीम की सदस्य जोडी वेस्टब्रुक फ्लावर्स ने कहा, 'जब हमें पता चला कि यह क्या था, तो हमें लगा कि हमें उस सबूत का सबसे अहम टुकड़ा मिल गया है, जिसकी तलाश थी।' बाद में एक संघीय जज ने कहा कि यह दस्तावेज अपने चेहरे पर ही बायूमी को 9/11 हमलों की जानकारी से जोड़ता है। यही इस मामले का सबसे बड़ा सवाल है।

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल कल से खुलेंगे, बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। कोई आधी रात को चौंककर उठ जाता है, कोई गुमसुम हो जाता है, तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमें से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के बिधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की

तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिप्टी मेयर प्रभा बोगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। इस दौरान राष्ट्र ध्वज को आधा झुका दिया गया और दीये और मोमबत्तियां जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। एजेंसी 2023 में भारत में सुरंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है। महराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारणमादा क्यूलेक्स मच्छर के पनपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों में अब हाईग्रेड फीवर के मरीज भी लगातार बढ़ रहे हैं जिसे जापानी इंसेफेलाइटिस का संकेत माना जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने गहरी चिंता जताई है। महराजगंज के सेहगीबर्वा निवासी रामधारी निशाद, कुशीनगर के तमकोही राज निवासी लोकेश और पीपरी घाट निवासी उज्वल सिंह कहते हैं बाढ़ का दूषित पानी गांव के किनारे तक पानी पहुंच गया है।

ईरान से युद्ध जीतते ही तेल होगा सस्ता': ट्रंप बोले- दो डॉलर से कम होगी गैस; एर्दोगन ने इस्राइल को कैसे घेरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा कि युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने कहा कि गैस की कीमत पहले तीन डॉलर प्रति गैलन तक आ सकती है और अंततः दो डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे जा सकती है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को ईरान की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान का तेल और गैस उत्पादन तंत्र काफी फैला हुआ है और उसकी सुरक्षा आसान नहीं है। गालिबाफ ने कहा, 'हमारी संपत्तियों पर हमला करेंगे तो आप पर भी हमला होगा। हम यह पहले ही साबित कर चुके हैं। उन ठिकानों से पूछिए, जो अब काम करने लायक नहीं बचे।' यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी अधिकारियों की ओर से ईरान के तेल टैंकरों को निशाना बनाने की धमकी दी जा रही है।

अमेरिका ने ईरान के तेल टैंकरों को लेकर क्या कहा : अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर हमला करता है तो अमेरिका उसके तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास न नौसेना बची है और न वायुसेना। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमले का वीडियो भी साझा किया। कमांड के मुताबिक, ये टैंकर अरबों डॉलर के उस नेटवर्क का हिस्सा थे, जिससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड और उसके क्षेत्रीय सहयोगी आर्थिक मदद हासिल करते हैं। सेंटकॉम कमांडर

एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआ तो ईरान की तेल आपूर्ति पर और बड़ी आर्थिक कीमत थोपी जाएगी।

दूसरी ओर, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इस्राइल पर मध्य पूर्व में संघर्ष भड़काने और शांति प्रयासों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई के कारण जून में ईरान और अमेरिका के बीच हुआ 14 सूत्री इस्लामाबाद समझौता पटरी से उतर गया। एर्दोगन ने कहा कि इस युद्ध की कीमत सिर्फ ईरान और खाड़ी देशों को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक शांति को खतरे के रूप में देखने वाली सोच नहीं बदलेगी, तब तक क्षेत्र में संकट खत्म नहीं होगा। समझौते में सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, प्रतिबंधों में राहत और ईरान के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर के अमेरिकी समर्थित आर्थिक विकास कार्यक्रम जैसे प्रावधान शामिल थे। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार का अंत करीब है। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन कमजोर है और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल खुद की रक्षा करने और अपने दुश्मनों पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी दी।

एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाने पर विवाद: बीएपीएस ने जताया खेद, कहा- किसी को अंदर जाने से नहीं रोका

पेरिस, एजेंसी। एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाए जाने के विवाद के बीच बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने आज सफाई देते हुए कहा है कि उसके प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान किसी को भी स्मारक में प्रवेश से नहीं रोका गया था। बीएपीएस ने कहा कि बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखते हुए दौरा एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय कर सुबह के शुरुआती समय में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम परेशानी हो। हालांकि, संगठन ने स्थिति से किसी को हुई तकलीफ के लिए दिल से माफी मांगी और आपसी सम्मान व सेवा के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने के आरोपों के बाद एफिल टावर के कर्मचारियों ने विरोध किया, प्रबंधन से माफी और जांच की मांग की तथा पेरिस के मेयर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

बड़े प्रतिनिधिमंडल की वजह से खास व्यवस्था : बीएपीएस के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल की संख्या काफी ज्यादा थी। इसी वजह से एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके यह दौरा आम लोगों के लिए स्मारक खुलने के समय के शुरुआती हिस्से में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो और उनकी आवाजाही प्रभावित न हो। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उसकी जानकारी के अनुसार, दौरे के दौरान किसी भी समय किसी को एफिल टावर में जाने से नहीं रोका गया। हालांकि, उसने यह भी कहा कि अगर इस पूरी स्थिति से किसी को किसी तरह की परेशानी या तकलीफ हुई है तो वह उसके लिए दिल से माफी मांगता है।

महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोप से शुरू हुआ विवाद : दरअसल, सोमवार को पेरिस का एफिल टावर कुछ समय के लिए बंद रहा। कर्मचारियों ने एक बैठक और विरोध प्रदर्शन किया था। यह विरोध शनिवार को हुए एक दौरे से जुड़ा था, जिसमें करीब 100 लोगों का हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल एफिल टावर पहुंचा था।

आरोप लगाया गया कि प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान कुछ महिला कर्मचारियों को उनकी काम की जगह से हटने के लिए कहा गया और उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। इस घटना ने कर्मचारियों के बीच नाराजगी पैदा कर दी।

बीएपीएस से जुड़ा था प्रतिनिधिमंडल : शनिवार को एफिल टावर पहुंचा यह प्रतिनिधिमंडल बीएपीएस से जुड़ा हुआ था। यह समूह पेरिस के पास बने एक बड़े हिंदू मंदिर के उद्घाटन से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए फ्रांस आया था। यूनियन प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल के गुजरने के दौरान महिला कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी की जगह छोड़ने के लिए कहा गया। उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किए जाने पर यूनियन ने सवाल उठाए और इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। यूनियन प्रतिनिधि डायने डावोइन ने कहा कि इस घटना को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा धीरे-धीरे बढ़ा और ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होनी चाहिए, जिसमें महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए।

कर्मचारियों की बैठक के बाद एफिल टावर खुलने में हुई देरी : सोमवार सुबह कर्मचारियों ने बैठक की। इसका उद्देश्य प्रबंधन के साथ इस मामले पर चर्चा करना और आगे ऐसी स्थिति न बनने की गारंटी हासिल करना था। कर्मचारियों की मांग थी कि भविष्य में किसी महिला कर्मचारी को केवल उसके जेंडर के आधार पर उसकी जिम्मेदारी या काम की जगह से पीछे न किया जाए। बैठक के चलते एफिल टावर को आम लोगों के लिए खोलने में देरी हुई। स्मारक पर एक नोटिस भी लगाया गया, जिसमें बताया गया कि संचालन संबंधी कारणों से एफिल टावर निर्धारित समय पर नहीं खुल पाएगा। यूनियन के मुताबिक, प्रबंधन ने इस घटना को लेकर कर्मचारियों से माफी मांगी है। हालांकि, कर्मचारियों का कहना है कि केवल माफी पर्याप्त नहीं है और पूरे मामले की विस्तृत जांच होनी चाहिए। एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी सेटे ने भी विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने माना कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से महिला कर्मचारियों के साथ संपर्क कम रखने की मांग की गई थी। सेटे ने कहा कि इस तरह की शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था।

एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था

कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची–नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : सविता, बिचू देवी खारीबम।
डिफेंडर : इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।
मिडफील्डर : निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
फॉरवर्ड : लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

सार-समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग

श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा

हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट

करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।
गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलन डी'ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली। पेरिस सेंट–जर्मन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलियन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया।

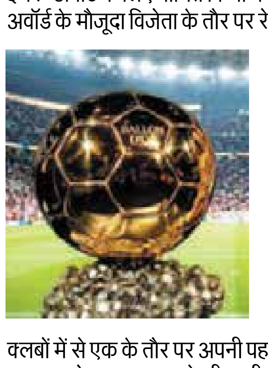

जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर

यूएस ओपन: क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

नई दिल्ली। बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया था। हालांकि, बेन शेल्टन ने उनका खिताब का बचाव करने का अभियान रोक दिया।

अल्काराज इस बार अपना आठवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और यूएस ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने की कोशिश कर रहे थे। अगर वह ऐसा कर लेते, तो रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन ट्रॉफी सफलतापूर्वक बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाते। यह स्पेनिश खिलाड़ी अपना आठवां मेजर खिताब जीतने और रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन का खिताब बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा था।

अल्काराज मेजर टूर्नामेंट्स में लगातार 18 जीत के सिलसिले के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरे थे। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिसमें 2025 यूएस ओपन की जीत और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतना शामिल था। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने थे। शेल्टन अब सेमीफाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ी अपने पहले मेजर फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे। टियाफो के साथ मुक़ाबलों में शेल्टन 3-1 से आगे हैं। दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिनमें से दो यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर खेले गए हैं। 2023 में क्वार्टर फाइनल मुकाबला शेल्टन ने जीता था, जबकि 2024 में तीसरे दौर के मुकाबले में टियाफो ने जीत दर्ज की थी।

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।

टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

फाईव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे भारतीय क्रिकेटर

BCCI बोला- खिलाड़ी व्यवस्था से संतुष्ट

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

आवास से जुड़ी समस्या हल हो गई: पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'

क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की– क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की यह पूछे जाने पर शुक्ला ने कहा, 'इसकी व्यवस्था भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई खेल आयोजन समिति और जापान क्रिकेट संघ मिलकर कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'भारत निश्चित तौर पर वहां अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारतीय टीम 22 सितंबर को पहली बार जापान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच (सुजुकी कप) खेलेगी। यह जापान में होने वाला पहला मैच होगा।

एसीसी व्यवस्थाओं से संतुष्ट– शुक्ला ने आवास के मुद्दे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि असली चिंता मैदान, पिच और ड्रेसिंग रूम की स्थिति को लेकर थी। उन्होंने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की टीम नागोया का दौरा कर चुकी है और वहां की व्यवस्थाओं से संतुष्ट है।

महिला एशिया कप: यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारीखेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुककुमारन ने 1–1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमारन ने 6, रिनिथा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2–2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1–1 विकेट लिए।

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर दी प्रतिक्रिया

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।'' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई। आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थीं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं।

इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूं ।

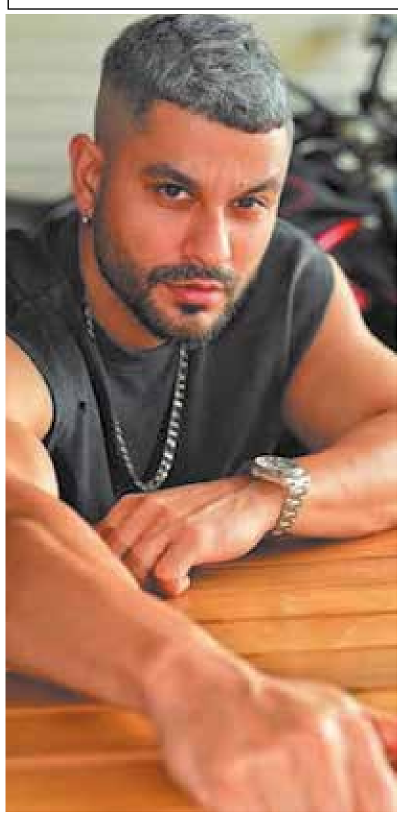

'वाइब': अनचाहे मिशन पर निकलेंगे कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने अपनी अगली फिल्म 'वाइब' का ट्रेलर रिलीज किया। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है जिसमें खुद कुणाल भी प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव के मुख्य किरदारों में है। फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर में कॉमेडी और एक्शन दोनों ही सामान्य मात्रा में परोसे गए हैं। कुणाल खेमू की कॉमेडी और स्पर्श श्रीवास्तव के सुलझे हुए अभिनय के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म फैंस का मनोरंजन कर सकती है। फिल्म वाइब के 2 मिनट 44 सेकेंड के ट्रेलर में रोमांस और कॉमेडी को दिखाया गया है। ट्रेलर में बताया कि कहानी दो दोस्तों हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) की है। बेपरवाह जिंदगी जीने वाले इन दोस्तों को पता चलता है कि देश एक बड़े खतरे का सामना करने वाला है। इस खतरे से निपटने के लिए दोनों को एक मिशन में शामिल किया जाता है, जिसका यह दोनों ही हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिल्म में प्रीति जिंटा हार्दिक और बग्स की बॉस बनी हैं। वो भी इसमें एक्शन करती नजर आएंगी। दूसरी तरफ अभिनेत्री वंशिका धीर, कुणाल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस ट्रेलर में कुणाल की रियल लाइफ सास और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की भी झलक है।

स्पाई वर्ल्ड में कॉमेडी का मसाला

'वाइब' के ट्रेलर में स्पाई वर्ल्ड से प्रेरित कहानी को कॉमेडी में लपेट कर दिखाया गया है। कुणाल के लिए यह दूसरी फिल्म है जिसका वह निर्देशन करेंगे। 'लापता लेडीज' में एक गंभीर किरदार निभाने के बाद स्पर्श श्रीवास्तव पहली बार कॉमेडी रोल में दिखाई देंगे। प्रीति जिंटा की तो 'बंटवारा 1947' के बाद यह रोल उनके लिए भी कुछ नया है। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

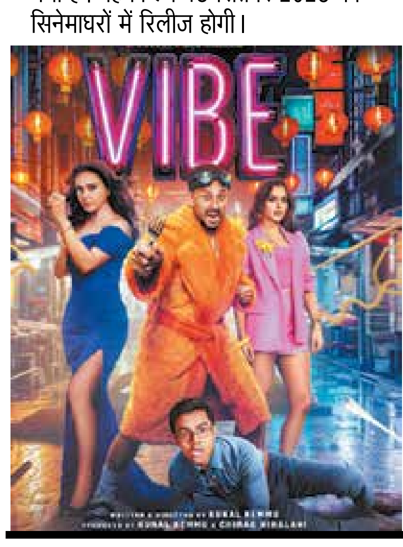

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल

मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।' अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।'

अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं?' अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।' बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं

अभिनेत्री अश्मेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूं। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है?' अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, ' मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं।'

बिग बॉस 20: फोटोग्राफर्स पर क्यों भड़के सलमान खान

फैंस बेसब्री से सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' का इंतजार कर रहे हैं। शो प्रीमियर होने से पहले ही यह काफी चर्चा में है। इस बीच शो के होस्ट सलमान खान का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनको पैपराजी पर नाराज होते हुए देखा जा सकता है।

क्यों नाराज हुए सलमान खान

'बिग बॉस 20' के प्रमोशन के लिए शूटिंग के दौरान एक पैपराजी ने सलमान खान को 'बाबा' कहकर बुलाया। इससे सलमान खान नाराज हो गए। उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा 'बाबा? ये तेरा काम नहीं है। मुझे कैमरा के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।'

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पैपराजी से परेशान होते हुए दिख रहे हैं। रियलिटी शो के 6 सितंबर को प्रीमियर से पहले उन्हें सेट पर देखा गया। शुरू में तो उन्होंने फोटोग्राफर्स के लिए पोज दिया, मगर बाद में बार-बार फोटो की रिक्वेस्ट से वे चिढ़ गए। शूटिंग के वायरल वीडियो में सलमान खान को सेट के पास फोटोग्राफर्स से बात करते हुए देखा जा सकता है।

एक्टर ने उनसे स्टेज से कुछ दूरी बनाए रखने को कहा। जब रिक्वेस्ट आती रहीं, तो वे अपनी झुंझलाहट जाहिर करते दिखे।

सलमान खान 'बिग बॉस' के 20वें सीजन के होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस हिंदी रियलिटी शो का प्रीमियर 6 सितंबर को होना है। इसमें माही विज, अर्शिफा खान, ईशा रिखी, रिया अहीर, काजी तौकीर और कनिका मान नजर आ सकते हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म में सलमान खान ने रश्मिका मंदाना के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। जल्द ही सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ चित्रांगदा सिंह अहम किरदार में होंगी।

अपनी आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं नीति मोहन

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। 'माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। 'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, ''माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है।

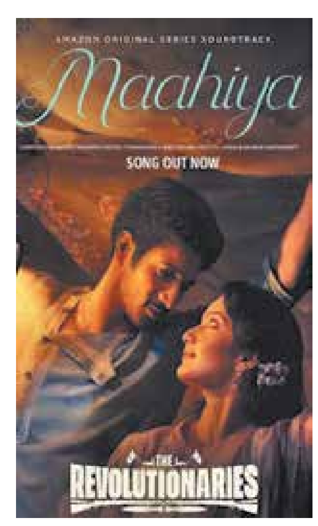

मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।''

नीति ने आगे कहा, ''इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।''

स्टेप अप फाउंडेशन अध्यक्ष अनिल टंडेल ने समाज कल्याण सचिव को पत्र सौंपकर वरिष्ठ नागरिक कार्ड सेवा बहाल करने की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 9 सितंबर। दमण में पात्र वृद्धजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सामाजिक संस्था स्टेप अप फाउंडेशन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। स्टेप अप फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल टंडेल ने समाज कल्याण विभाग के सचिव को एक औपचारिक पत्र सौंपकर वरिष्ठ नागरिक (सिनीयर सिटीजन) कार्ड बनाने की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की मांग की है। अनिल टंडेल ने पत्र में लिखा है कि दमण में पिछले कई वर्षों से वरिष्ठ नागरिक कार्ड बनाने का काम बंद पड़ा है। कार्ड न होने के कारण क्षेत्र के बड़ी संख्या में बुजुर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, रियायतों और सुविधाओं का लाभ उठाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वे अपनी पात्रता साबित करने के लिए अनावश्यक परेशानियों से जूझ रहे हैं। साथ ही फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल टंडेल ने मांग की है कि संस्था ने योग्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्ड जारी करने का काम जल्द से जल्द दोबारा शुरू किया जाए। साथ ही आवेदन और कार्ड वितरण की प्रक्रिया को बेहद आसान बनाया जाए और बुजुर्गों को भटकना न पड़े, इसके लिए समाज कल्याण विभाग, नगरपालिका, पंचायत कार्यालयों या अन्य सरकारी केंद्रों के माध्यम से इस सेवा को सुलभ कराया जाए। संस्था ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन बुजुर्गों के सम्मान और अधिकारों को ध्यान में रखते हुए इस पर जल्द ही सकारात्मक कदम उठाएगा।

राजभाषा विभाग सिलवासा ने पुलिस मुख्यालय पर हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 09 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग सिलवासा द्वारा पुलिस विभाग, भारतीय रिजर्व बटालियन तथा वन विभाग के कर्मियों हेतु हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस मुख्यालय के सभागृह पर किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में राजभाषा विभाग की डॉ. अनिता कुमार ने अपने स्वागत अभिभाषण में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए सभी को प्रेरित किया। राजभाषा हिन्दी का महत्व बताते हुए हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं की जानकारी दी । इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सचिन यादव और विशेष अतिथि उप-प्रभागीय पुलिस अधिकारी संदीप रूपेला और नवीन रोहित, डीवाईएसपी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उप मंडलीय पुलिस अधिकारी संदीप रूपेला ने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी का महत्व बताते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामानाएं दी। इसके पश्चात मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सचिन यादव ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में सभी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकारी काम-काज में हमें राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने की आवश्यकता है। हिन्दी के प्रति रुचि बढ़ाने तथा दैनिक शासकीय कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। राजभाषा विभाग की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग प्रतिवर्ष हिन्दी के प्रचार व प्रसार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत और तत्पर है। इनके प्रयासों से इस प्रशासन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिन्दी के प्रयोग के प्रति प्रोत्साहन मिला है, जो एक प्रशंसीय कार्य है। हिन्दी श्रुतलेखन प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साह और एकाग्रता के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से शुद्ध हिन्दी लेखन, भाषा के प्रति जागरूकता तथा राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस प्रतियोगिता में पुलिस विभाग, भारतीय रिजर्व बटालियन तथा वन विभाग के कर्मियों ने बड़ी संख्या भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बानाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दमण फायर विभाग ने फादर एगनेलो स्कूल में किया फायर सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 09 सितंबर। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दमण द्वारा आग जैसी आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करने तथा सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आग लगने की स्थिति में कैसे तेजी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी जाए, इस बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान आग बुझाने के विभिन्न उपकरणों के उपयोग, सुरक्षित तरीके से स्थान खाली करने की प्रक्रिया, तथा प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रायोगिक अभ्यास के माध्यम से अग्नि सुरक्षा कौशल का अनुभव भी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था/विभाग के कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपातकालीन स्थिति में नुकसान को कम से कम करना सुनिश्चित करना था। इस कार्यक्रम में सभी संबंधित विद्यार्थी, स्टाफ और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज सिलवासा एवं सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जेम्स ऑफ इंडिया जागरूकता बैठक आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 09 सितंबर। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता एवं हुनर को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज सिलवासा एवं सरकारी उच्चतर माध्यमिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए जेम्स ऑफ इंडिया अभियान के संबंध में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान विद्यार्थियों को जेम्स ऑफ इंडिया पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि यह अभियान युवाओं को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और विशिष्ट हुनर को सामने लाने का अवसर प्रदान करता है। इस पहल के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा को विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शित कर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कारों में भाग ले सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनसे अपनी रचनात्मक सोच, कौशल एवं छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का आह्वान किया गया। विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया कि वे दादरा एवं नगर हवेली की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय विरासत, स्थानीय प्रतिभाओं एवं यहां की अनूठी विशेषताओं से जुड़े हिडन जेम्स को अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के सामने लाएं। बैठक में उपस्थित विद्यार्थियों ने अभियान के प्रति उत्साह एवं रुचि व्यक्त की तथा अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेने की इच्छा जताई।

दमण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गणेशजी की छोटी मूर्तियों का विसर्जन स्थानीय तालाबों या पानी के ड्रमों में करने की प्रशासन ने दी सलाह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 9 सितंबर। दमण जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यालय द्वारा गणेश चतुर्थी पर्व और मूर्ति विसर्जन को लेकर एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। इस आदेश के तहत दमण जिले के ग्रामीण और ग्राम पंचायत क्षेत्रों के निवासियों से अपील की गई है कि वे गणेशजी की छोटी मूर्तियों का विसर्जन समुद्र किनारे ले जाने के बजाय अपने ही इलाके के आसपास के तालाबों या पानी के ड्रमों में करें। यह निर्णय केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशों के अनुपालन और कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मोटी दमण कार्यालय द्वारा 7 सितंबर को जारी आदेश के अनुसरण में लिया गया है। गौरतलब है कि स्थानीय स्तर पर विसर्जन करने का मुख्य उद्देश्य भीड़ नियंत्रणः निर्धारित मुख्य विसर्जन स्थलों पर होने वाली अत्यधिक भीड़ को कम करना तथा सुरक्षा और व्यवस्थाः पंचायत क्षेत्रों में गणेश मूर्ति विसर्जन को अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाना तथा पर्यावरण संरक्षणः विसर्जन की प्रक्रिया को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल तरीके से संपन्न कराना है।

दि दमण एवं दीव राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड

THE DAMAN & DIU STATE CO-OPERATIVE BANK LTD.

(RBI LICENSE No. Dos. RO (AH). REG/LIC.S-2187/04.36.000/2023-24 dtd.07-March-2024)

ADMINISTRATION DEPARTMENT

Head Office: H.No.14/54, 1st Floor, Dilip Nagar, Nani Daman-396210

Ph.No.: 0260 2255984, 2255985 Email: adm@ddscbl.bank.in

DDSCB/ADM/AGM/2026-27/752 Date: 09.09.2026

NOTICE

ELEVENTH ANNUAL GENERAL BODY MEETING

Notice is hereby given to all members of the Bank that the Eleventh Annual General Body Meeting of the Daman & Diu State Cooperative Bank Ltd., Nani Daman will be held on 23rd September 2026 at 10.00 a.m. in the Bank's Conference Hall at its Nani Daman Branch at H.No.14/54, Dilip Nagar, Nani Daman-396 210 to transact the following items of business. All members are requested to kindly attend the meeting

AGENDA

1. To read and confirm the proceedings of the Tenth Annual General Body Meeting held on 29th July 2025.
2. Approval of the long-term perspective plan and the annual operational plan.
3. To consider the audited Balance Sheet and Statement of Accounts for the Financial Year 2025-26, Audit Report, Annual Report and Audit Compliance Report (Audited Balance sheet available on Bank website https://ddscbl.bank.in)
4. Appropriation of Net Profit for the year 2025-26. Creation of Specific Reserve and other funds.
5. Approval of the Annual Budget and Review of Actual Utilisation of Reserves and other Funds.
6. Appointment of Statutory Auditor for conducting the Statutory Audit of the Bank for the Financial Year 2026-27 and fix their remuneration as may be advised by the RBI.
7. Declaration of Dividend to the shareholders for FY 2025-26.
8. Any other matter that may be laid with the permission of the Chair.

Place: Nani Daman By Order of the Administrator

Dated: 09th September 2026

N.B. In case there is no quorum till 10.00 a.m. on the scheduled date for AGM, then the meeting shall stand adjourned. The adjourned meeting shall be held at 11 .00 a.m. on the same day or on such date, time and place as may be decided by the Administrator.

दीव में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 9 सितंबर। प्रशासन के राजभाषा विभाग द्वारा 1 सितंबर से 11 सितंबर 2026 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। हिंदी के प्रति जागरूकता एवं राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अब तक हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पणी एवं आलेखन प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता तथा हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा चुका है। इसी क्रम में आज 9 सितंबर को शिक्षा विभाग द्वारा दीव के समग्र शिक्षा सभागार में हिंदी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप समाहर्ता दीव शिवम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रशासन के कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात राजभाषा विभाग के वरिष्ठ हिंदी अनुवादक शंकर सिन्हा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न हिंदी गीत प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से पूरा सभागार देशभक्ति के वातावरण से गूंज उठा। इसके साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा बताया गया कि हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आगामी 11 सितंबर को शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा सभागार में हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। राजभाषा विभाग ने सभी प्रतिभागियों से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। प्रतियोगिता में सहभागिता सुनिश्चित करने वाले सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे 11 सितंबर 2026 को प्रातः 9:00 बजे निर्धारित स्थल पर उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँ।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)